Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. ग्राम पंचायत का मुखिया कौन होता है?



अ प्रधान

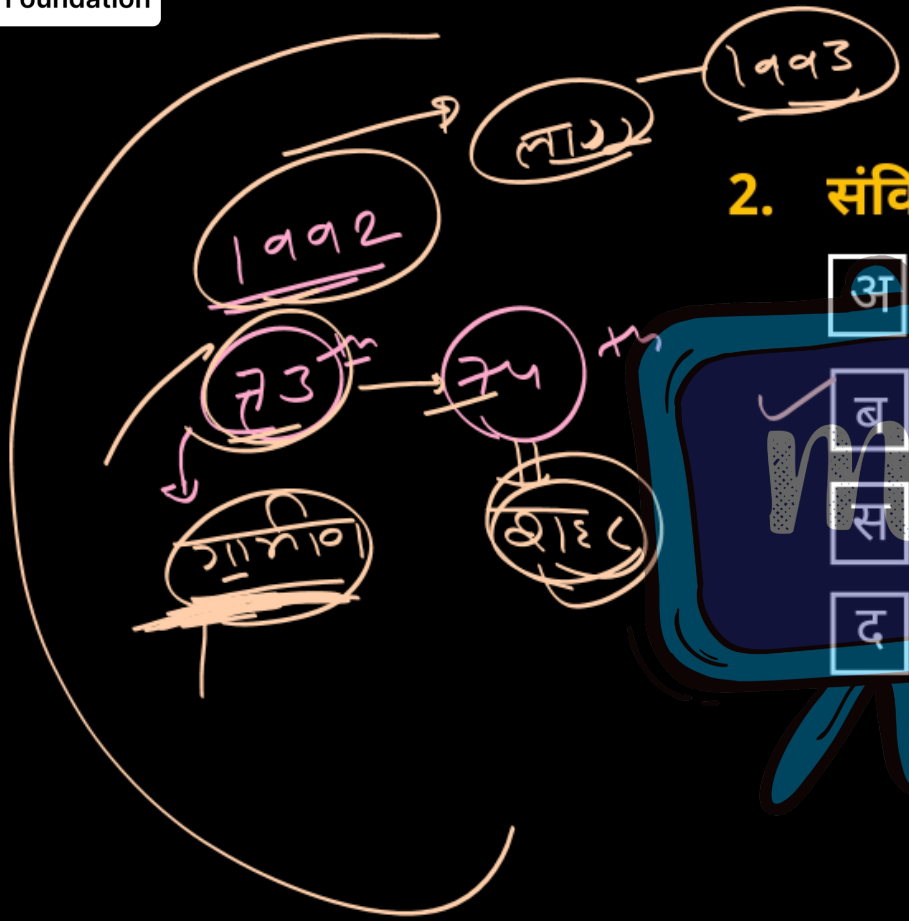
ब सरपंच

स जिला प्रमुख

द ग्राम सचिव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2. संविधान का 73वाँ संशोधन किससे संबंधित है?

अ शहरी स्थानीय शासन

ब ग्रामीण स्थानीय शासन

स संसद

द न्यायपालिका

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. संविधान का 74वाँ संशोधन किससे संबंधित है?

अ ग्राम पंचायत

ब राज्य विधानमंडल

स शहरी स्थानीय शासन

द संघीय न्यायपालिका

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

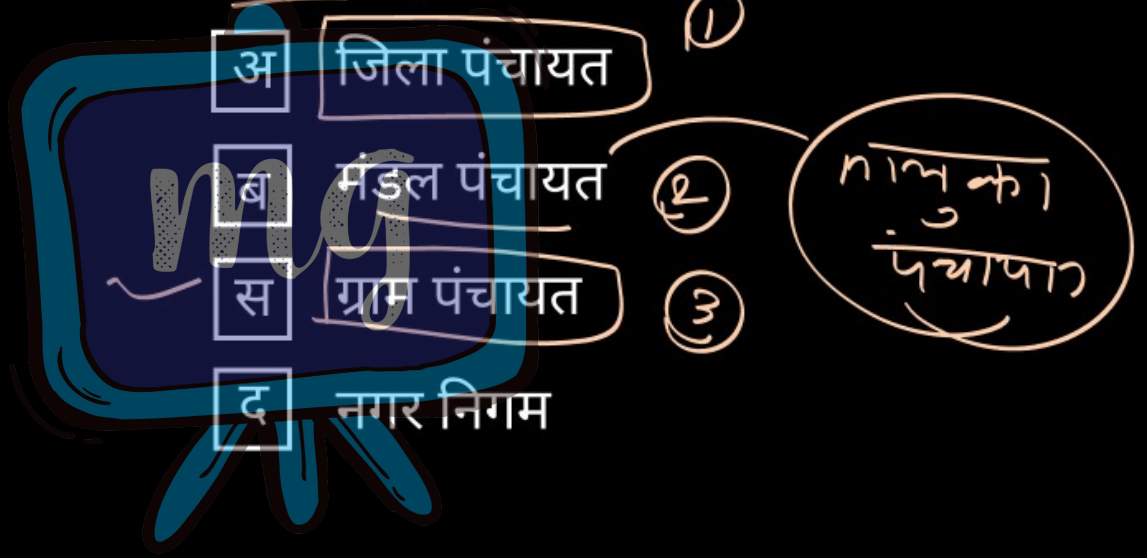
4. पंचायती राज व्यवस्था की सबसे निचली इकाई कौन-सी है?

अ जिला पंचायत

ब मंडल पंचायत

स ग्राम पंचायत

द नगर निगम



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



5. ग्राम सभा का सदस्य कौन होता है?

अ केवल सरपंच

ब केवल पंचायत सदस्य

स पंचायत क्षेत्र में मतदाता के रूप में पंजीकृत प्रत्येक वयस्क व्यक्ति

द केवल सरकारी कर्मचारी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

6. पंचायती राज संस्थाओं का कार्यकाल कितने वर्ष होता है?

अ तीन वर्ष

ब चार वर्ष

स पाँच वर्ष

द छह वर्ष

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

7. कार्यकाल पूरा होने से पहले पंचायत भंग होने पर कितने समय के भीतर नए चुनाव कराए जाने चाहिए?

अ तीन महीने

ब छह महीने

स एक वर्ष

द दो वर्ष

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

8. संविधान के 73वें संशोधन के अनुसार पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए कितनी सीटें आरक्षित की गई हैं?

अ एक-चौथाई

ब एक-तिहाई

स आधी

द दो-तिहाई

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

9. पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव कराने की जिम्मेदारी किसकी होती है?

अ राज्य निर्वाचन आयुक्त

ब जिला पंचायत अध्यक्ष

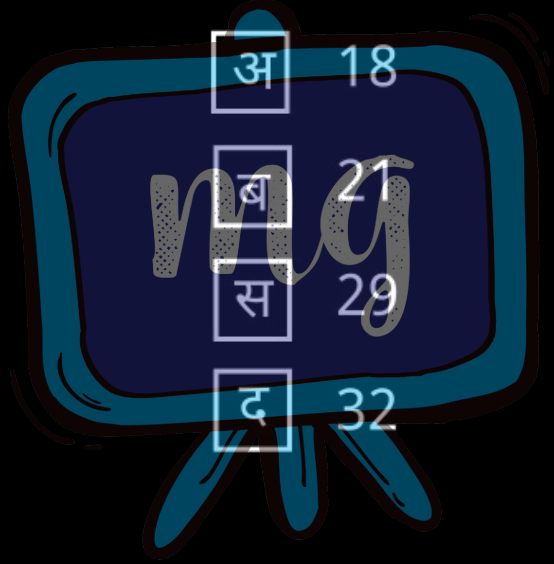
स राज्य वित्त आयोग

द ग्राम सभा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

10. संविधान की 11वीं अनुसूची में पंचायती राज संस्थाओं से संबंधित कितने विषय दर्ज हैं?



अ 18

ब 21

स 29

द 32

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

11. गाँव और जिला स्तर के शासन को _____ कहते हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

12. 73वाँ संविधान संशोधन _____ में पारित हुआ।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

13. संविधान के 73वें और 74वें संशोधन _____ में लागू हुए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

14. पंचायती राज व्यवस्था के सबसे ऊपरी स्तर पर _____ होती है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

15. राज्य सरकार को प्रत्येक _____ वर्ष में एक राज्य वित्त आयोग का गठन करना होता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

16. पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को कितने प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया है?

उत्तर: एक-तिहाई (33⅓ प्रतिशत)।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

17. ग्राम सभा किसे कहते हैं?

उत्तर: : पंचायती क्षेत्र में मतदाता के रूप में पंजीकृत सभी वयस्क व्यक्तियों के समूह को ग्राम सभा कहते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

18. संविधान के 74वें संशोधन का संबंध स्थानीय शासन के किस क्षेत्र से है?

उत्तर: शहरी स्थानीय शासन अर्थात् नगरपालिकाओं से।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

19. स्थानीय शासन को भारतीय संविधान की किस सूची में रखा गया है?

उत्तर: राज्य सूची में।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

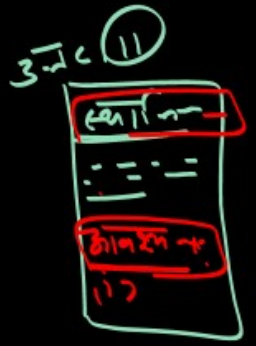
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

20. सन् 1996 में बनाए गए विशेष अधिनियम द्वारा पंचायती राज व्यवस्था के प्रावधानों को किन क्षेत्रों तक विस्तारित किया गया?

उत्तर: आदिवासी आबादी वाले उन क्षेत्रों तक, जो पहले 73वें संविधान संशोधन के प्रावधानों के अंतर्गत नहीं आते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



लघूत्तरात्मक प्रश्न

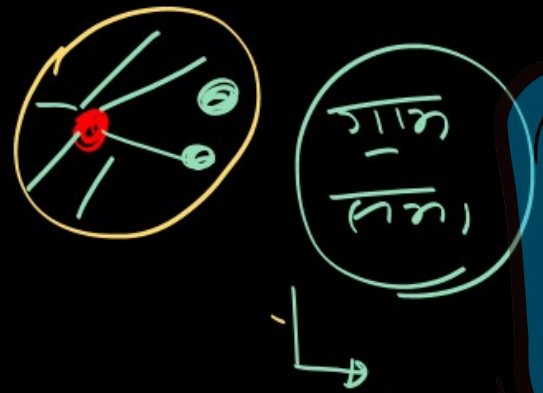
21. स्थानीय शासन से क्या अभिप्राय है? इसकी आवश्यकता के सम्बन्ध में कोई एक तर्क दीजिए।

उत्तर –

स्थानीय शासन का अर्थ: गाँव और जिला स्तर पर स्थानीय समस्याओं, आवश्यकताओं तथा विकास संबंधी कार्यों का प्रबंधन करने वाली शासन व्यवस्था को स्थानीय शासन कहते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



आवश्यकता—

1. **स्थानीय समस्याओं का समाधान :** स्थानीय शासन नागरिकों के निकट होता है, इसलिए उनकी समस्याओं का समाधान अधिक तेजी से हो सकता है।
2. **जनभागीदारी :** स्थानीय लोग अपने विकास से संबंधित निर्णयों में भाग ले सकते हैं।
3. **स्थानीय ज्ञान :** स्थानीय नागरिक अपने क्षेत्र की आवश्यकताओं और समस्याओं को बेहतर समझते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

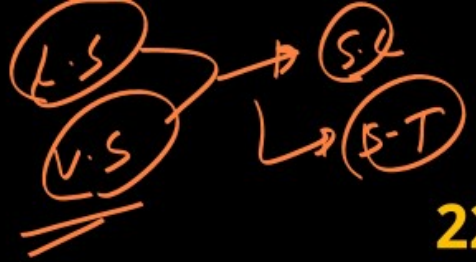


4. **जवाबदेही :** स्थानीय प्रतिनिधि जनता के प्रति अधिक प्रत्यक्ष रूप से जवाबदेह होते हैं।

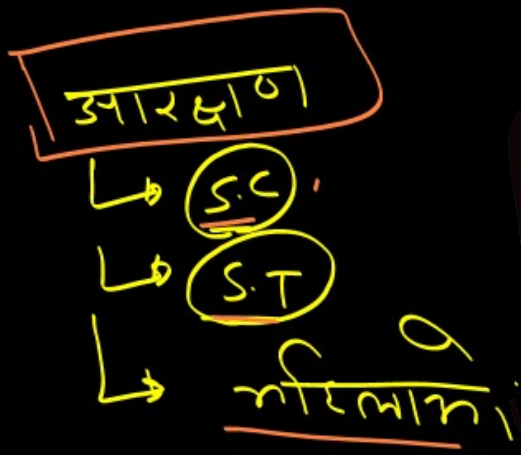
5. **लोकतंत्र की मजबूती :** स्थानीय शासन में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाती है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER







22. पंचायती राज संस्थाओं में अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था स्पष्ट कीजिए।

उत्तर –

1. **आरक्षण का प्रावधान :** पंचायती राज संस्थाओं के तीनों स्तरों पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2. **जनसंख्या का आधार :** आरक्षित सीटों का निर्धारण संबंधित वर्गों की जनसंख्या के अनुपात में किया जाता है।

3. **महिला आरक्षण :** इन वर्गों के लिए आरक्षित सीटों में भी महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण की व्यवस्था है।

4. **अध्यक्ष पदों पर आरक्षण :** तीनों स्तरों के अध्यक्ष पदों पर भी आरक्षण का प्रावधान है।

5. **सामाजिक प्रतिनिधित्व :** इसका उद्देश्य स्थानीय शासन में वंचित वर्गों की भागीदारी बढ़ाना है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

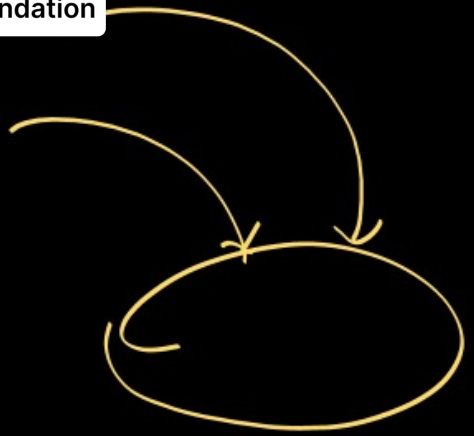
23. राज्य निर्वाचन आयुक्त की भूमिका एवं स्वायत्तता स्पष्ट कीजिए।

उत्तर —

1. **नियुक्ति :** राज्यों के लिए राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति की व्यवस्था की गई है।
2. **मुख्य कार्य :** पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव कराना।
3. **स्वायत्तता :** राज्य निर्वाचन आयुक्त एक स्वतंत्र अधिकारी होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



4. **पूर्व व्यवस्था :** पहले स्थानीय निकायों के चुनाव राज्य सरकार के अधीन प्रशासन द्वारा कराए जाते थे।

5. **स्वतंत्र संस्थागत पहचान :** राज्य निर्वाचन आयुक्त अथवा उसके कार्यालय का भारत के निर्वाचन आयोग से सीधा संस्थागत संबंध नहीं होता।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

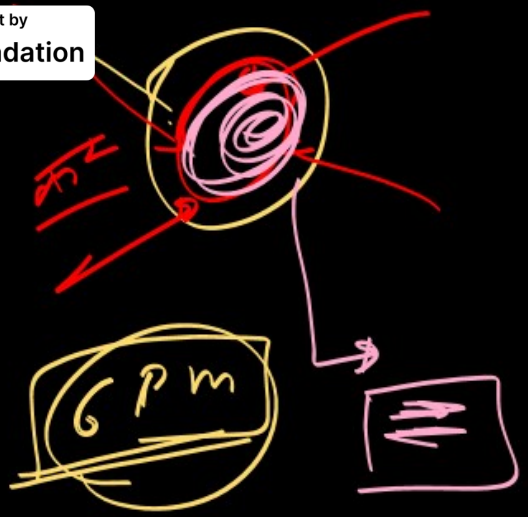
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

24. राज्य वित्त आयोग के क्या कार्य हैं?

उत्तर — भूमिका : राज्य वित्त आयोग स्थानीय शासन की संस्थाओं की आर्थिक स्थिति की समीक्षा करने वाला आयोग है। राज्य सरकार को प्रत्येक पाँच वर्ष में इसका गठन करना होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation



missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राज्य वित्त आयोग के प्रमुख कार्य :

1. **वित्तीय स्थिति का आकलन :** राज्य की स्थानीय शासन संस्थाओं की आर्थिक स्थिति की समीक्षा करना।
2. **राजस्व वितरण की समीक्षा :** राज्य सरकार और स्थानीय शासन संस्थाओं के बीच राजस्व के बँटवारे का पुनरावलोकन करना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. **ग्रामीण संस्थाओं की वित्तीय स्थिति :** पंचायती राज संस्थाओं को उपलब्ध होने वाले आर्थिक संसाधनों की स्थिति देखना।

4. **शहरी संस्थाओं की वित्तीय स्थिति :** नगरपालिकाओं जैसे शहरी स्थानीय निकायों की आर्थिक स्थिति का आकलन करना।

5. **ग्रामीण एवं शहरी संस्थाओं के बीच वितरण :** दोनों प्रकार की स्थानीय संस्थाओं के बीच राजस्व के बँटवारे की समीक्षा करना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

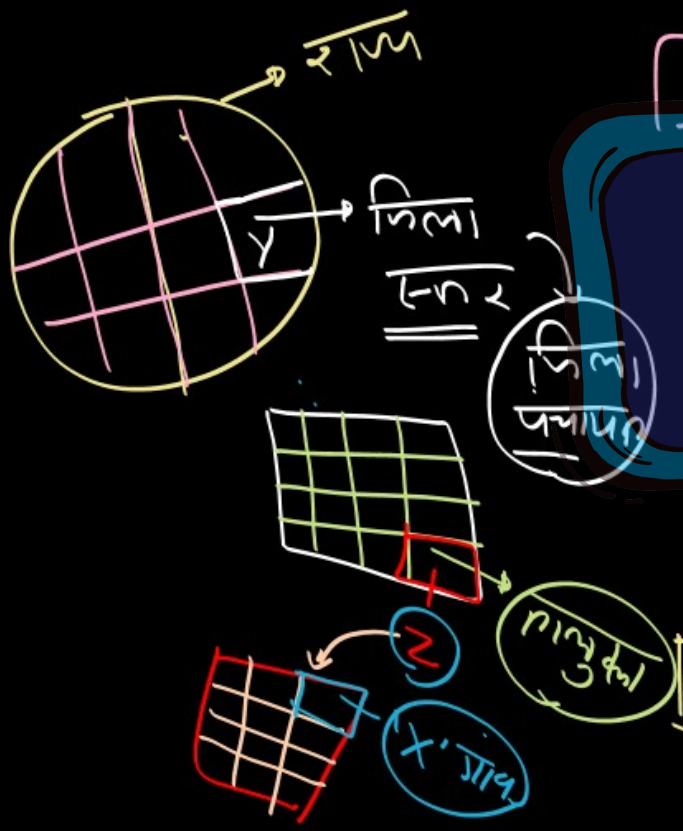
6. **वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता :** स्थानीय संस्थाओं को धन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की समीक्षा करना।

7. **राजनीतिक प्रभाव कम करना :** स्थानीय निकायों को धन का आवंटन केवल राजनीतिक आधार पर होने से रोकने की दिशा में संस्थागत व्यवस्था प्रदान करना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

25. स्थानीय शासन किसे कहते हैं? प्रदेशों में पंचायती राज के ढाँचे को बताइए।



उत्तर — भूमिका : गाँव और जिला स्तर पर स्थानीय समस्याओं तथा विकास संबंधी कार्यों का प्रबंधन करने वाली शासन व्यवस्था को स्थानीय शासन कहते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायती राज इसके प्रमुख संस्थागत रूपों में से एक है।

पंचायती राज का त्रि-स्तरीय ढाँचा :

तृतीय स्तर — जिला पंचायत

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



जिले का ग्रामीण क्षेत्र

द्वितीय स्तर — मंडल / खंड / तालुका पंचायत

मध्यवर्ती स्तर

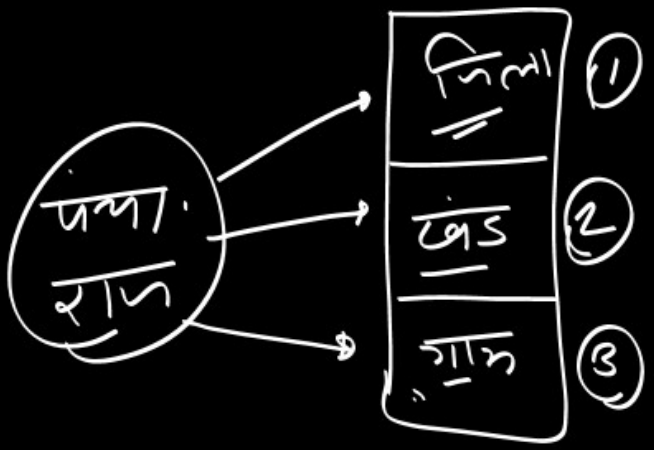
प्रथम स्तर — ग्राम पंचायत

एक अथवा एक से अधिक गाँव

ग्राम सभा में पंचायत क्षेत्र के पंजीकृत वयस्क मतदाता शामिल होते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



प्रमुख विशेषताएँ :

1. **ग्राम पंचायत :** पंचायती राज की सबसे निचली इकाई है। इसके अंतर्गत एक या अधिक गाँव आते हैं।
2. **मंडल अथवा तालुका पंचायत :** यह मध्यवर्ती स्तर की संस्था है, जिसे खंड पंचायत भी कहा जाता है।
3. **जिला पंचायत :** सबसे ऊपरी स्तर की संस्था है, जिसके अंतर्गत जिले का ग्रामीण क्षेत्र आता है।
4. **ग्राम सभा :** पंचायत क्षेत्र में पंजीकृत सभी वयस्क मतदाताओं का समूह है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. **प्रत्यक्ष चुनाव :** अध्याय के अनुसार पंचायती राज के तीनों स्तरों के प्रतिनिधियों के चुनाव जनता द्वारा किए जाते हैं।

6. **पाँच वर्ष का कार्यकाल :** पंचायती निकायों का सामान्य कार्यकाल पाँच वर्ष है।

7. **छोटे राज्यों में व्यवस्था :** आकार में छोटे राज्यों में मध्यवर्ती स्तर की पंचायत बनाना अनिवार्य नहीं है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



26. भारत में स्थानीय शासन का विकास कैसे हुआ? स्पष्ट करें।

उत्तर —

भारत में स्थानीय शासन के विकास के प्रमुख चरण:

1. **प्राचीन काल :** प्राचीन भारत में स्वशासन चलाने वाले ग्राम समुदाय 'सभा' के रूप में विद्यमान थे। समय के साथ इन सभाओं ने पंचायत का रूप लिया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1882 →
↓
1919
↓
1935

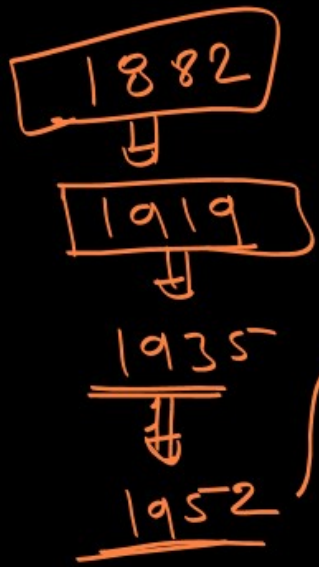
2. **सन् 1882** : लॉर्ड रिपन ने निर्वाचित स्थानीय निकायों की स्थापना की दिशा में पहल की। उस समय इन्हें लोकल बोर्ड कहा जाता था।

3. **भारत सरकार अधिनियम, 1919** : इसके बाद अनेक प्रांतों में ग्राम पंचायतों की स्थापना हुई।

4. **भारत सरकार अधिनियम, 1935** : स्थानीय शासन संस्थाओं के विकास की प्रक्रिया आगे बढ़ी।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



5. **महात्मा गाँधी के विचार :** गाँधीजी ने आर्थिक तथा राजनीतिक सत्ता के विकेंद्रीकरण और मजबूत ग्राम पंचायतों का समर्थन किया।

6. **सन् 1952 :** सामुदायिक विकास कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इसका उद्देश्य स्थानीय विकास गतिविधियों में जनभागीदारी बढ़ाना था।

7. **सन् 1960 के आसपास :** गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों ने निर्वाचन आधारित स्थानीय शासन संस्थाओं की व्यवस्था अपनाई।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

8. **सन् 1989 :** पी. के. थुंगन समिति ने स्थानीय शासन संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देने की सिफारिश की।
9. **सन् 1992 :** संसद ने संविधान के 73वें और 74वें संशोधनों को पारित किया।
10. **सन् 1993 :** दोनों संशोधन लागू हुए और स्थानीय शासन संस्थाओं को मजबूत संवैधानिक आधार मिला।